आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष–3, अंक–01

जनवरी, 2024

श्रीराम जन्मभूमि

राम शुभ हैं, मंगल है, प्रेरणा हैं, धर्म हैं, मर्म हैं, आदि हैं, अंत हैं, अनन्त हैं, राम राम हैं और अयोध्या यानि त्याग, लोकतंत्र, मर्यादा। धर्म की पुर्नस्थापना के लिए अनवरत संघर्ष होते रहें है और यह सृजन के लिए नितान्त आवश्यक भी है।

श्रीराम जन्मभूमि के इतिहास और संघर्ष की गाथा को शब्दों में उकेरना दुष्कर है, पांच सौ वर्ष के अथक अनवरत संघर्ष जिसके लिए हर पीढ़ी लड़ाई लड़ी किन्तु कभी हार नहीं मानी। इस संघर्ष में हर भाषा, वर्ग, समुदाय और सम्प्रदाय के लोगों ने सहभागिता की। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की यात्रा चुनौतियों से भरी रही। सन् 1528 का दौर जहाँ इस्लामिक आक्रांता बाबर का सुबेदार मीर बाक़ी ने अयोध्या में मस्जिद बनवाई यह मस्जिद उसी स्थान पर बनी जहाँ प्रभु श्रीराम का अवतरण हुआ था और बाबर के सम्मान में मीर बाक़ी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद किया। उस दौर में इस्लामिक झंडाबरदारों का मूल उद्देश्य सनातन संस्कृति के उत्कर्ष को उनके प्रतीकों, मठों और मंदिरों को ध्वस्त कर समाप्त करना था और जनमानस का बृहद स्तर पर धर्मांतरण करना था। बाबरी मस्जिद के निर्माण के समय अनेकों साधु-संत और गृहस्थों ने समय-समय पर इसका विरोध कर अपने प्राणों की आहुति दी।

ई. सन् 1526-1853 का समय मुगलों के शासन था जिसमें हिन्दू बहुत मुखर नहीं हो पाए। 19वीं सदी में मुगलों का शासन कमजोर पड़ने लगा और अंग्रेज हुकुमत प्रभावी हो चुकी थी। सर्वप्रथम ई. सन् 1858 बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद प्रथम प्राथमिकी दर्ज की गई। ई. सन् 1949 मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ, ई. सन् 1950 स्वतंत्रता के बाद पहला मुकदमा दर्ज किया गया, ई. सन् 1959 निर्मोही अखाड़े ने पूजा-अर्चना की अनुमति मांगी, ई. सन् 1982 हिन्दू धर्म स्थलों की मुक्ति का अभियान चलाया गया, ई. सन् 1986 श्रीराम जन्मभूमि परिसर का ताला खुला, ई. सन् 1989 श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास हुआ, ई. सन् 1990 श्री लालकृष्ण अडवाणी जी की रथयात्रा प्रारम्भ की गई, ई. सन् 1992 बाबरी मस्जिद ध्वस्तीकरण और तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय कल्याण सिंह की सरकार बर्खास्त हुई, ई. सन् 1993 श्रीराम जन्मभूमि पर दर्शन पूजन की अनुमति मिली, ई. सन् 2002 माननीय उच्च न्यायालय में स्वामित्व पर सुनवाई की शुरूआत हुई, ई. सन् 2010 माननीय उच्च न्यायालय द्वारा ऐतिहासिक फैसला दिया गया, ई. सन् 2017 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश की गई, ई. सन् 2019 मंदिर निर्माण का फैसला हुआ, ई. सन् 2020 मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू किया गया , ई. सन् 2024 श्रीराम जन्मभूमि भव्य मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई।

श्रीराम जन्मभूमि विमुक्ति आंदोलन में गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रम्हलीन परम् पूज्य अवेद्यनाथ जी महाराज का अतुलनीय योगदान रहा है महाराज जी ने संसद से सड़क तक आंदोलन को जनआंदोलन में परिवर्तित किया जिसकी परिणीति स्वरूप आज भव्य श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो गया।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का आंदोलन राष्ट्रीय एकात्मता और अस्मिता के लिए था। श्रीराम मंदिर एक और सामान्य मंदिर नहीं अपितु यह तीर्थाटन स्तम्भ हैं। मंदिर निर्माण से राष्ट्रीय गौरव की नींव पक्की हुई है।

श्रीराम हमारी प्रेरणास्रोत है, पहचान है, अस्मिता हैं, श्रीराम कण-कण में बसे हैं। श्रीराम मंदिर निर्माण से अब भारत से तुष्टिकरण के बादल छट गए हैं, चारों ओर भारतीय संस्कृति का पुनरोदय हो रहा है। अब श्रीराम पुनः लौटे हैं और भारत पुनः विश्वगुरु बनने जा रहा है।

भारतीय ज्ञान परम्परा

याज्ञवल्क्यस्मृति के आचाराध्याय में भारतीय ज्ञान परम्परा की गणना के प्रसंग में 14 विधाओं का उल्लेख करते हुए लिखा गया है-

पुराण न्याय मीमांसा धर्मशास्त्राङ्गमिश्रिताः।
वेदाः स्थानानि विद्यानां धर्मस्य च चतुर्दश।।

पुराण, न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र, शिक्षा, कल्प, छन्द, ज्योतिष, निरुक्त, व्याकरण,ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद ये चौदह विधाएँ हैं। इनके साथ आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्वेद एवं स्थापत्यवेद नामक उपवेद को जोड़ने से 18 विद्या स्थान बन जाते हैं। अष्टादश विद्याओं के भेद एवं उपभेद से भारत की बौद्धिक परम्परा का आयाम बहुत व्यापक हो जाता है। आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता एवं दण्डनीति इन चार विद्याओं की चर्चा आचार्य कौटिल्य अर्थशास्त्र में करते हैं। इसके द्वारा कृषि, पशुपालन, वाणिज्य आदि विद्याओं को समाहित कर विद्या परम्परा की संख्या में अभिवृद्धि करते हैं।

वेद हमारी ज्ञान परम्परा के मूल ग्रंथ हैं। वेद समस्त विद्याओं का मूल स्रोत माना गया है। वेद संसार का प्राचीनतम साहित्य है। 'वेद' शब्द स्वयं ज्ञान का वाचक है। प्रत्येक भारतीय को वेद पढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला वाक्य है- **'स्वाध्यायोऽध्येतव्यः।'** अपनी वेदशाखा का अध्ययन करना चाहिए। वेद पढ़कर ही हम अपने को ऋषि-सन्तान कहने के अधिकारी बनते हैं। हमारा वैदिक साहित्य सर्वाधिक विशाल एवं ऐतिहासिक हैं। यह उतना विशाल एवं ऐतिहासिक है जितना किसी अन्य देश एवं जाति का नहीं है। इस साहित्य के सहारे हम दुनिया के बौद्धिक ज्ञान परम्परा के पूर्वापर की श्रृंखला की उन कड़ियों को आसानी से जोड़ पाते हैं जिन्हें हम आज तक नहीं समझ सके हैं। जो लोग भी मानव जाति के विचारों के ऐतिहासिक विकास में रुचि रखते हैं, जो लोग धार्मिक या पौराणिक आख्यानों के मूल के ज्ञान के प्रति अनुराग रखते हैं, जो लोग नक्षत्रविज्ञन की आचारशिला का अध्ययन करना चाहते हैं, जो लोग संगीत, व्याकरण, शब्दरचना विज्ञान इत्यादि विषयों का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं, जो लोग प्रथम दार्शनिक विचारों की पृष्ठभूमि को स्पष्ट रूप से जानना चाहते हैं, जो लोग इस पृथ्वी पर पारिवारिक जीवन सर्वप्रथम किस रूप में रहा, इसे जानना चाहते हैं तो उन्हें वैदिक साहित्य को अवश्य ही पढ़ना पड़ेगा।

वेद, मंत्र एवं ब्राम्हण साहित्य में विभक्त हैं। मंत्र संहिताएँ अनेक हैं। ब्राम्हण के अन्तर्गत ब्राम्हण ग्रंथ, आरण्यक ग्रंथ एवं उपनिषद् समाविष्ट हैं। ब्राम्हण साहित्य भी अत्यन्त व्यापक है। भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए वैदिक वाङ्मय इतना महत्त्वपूर्ण है कि इसे विद्वानों ने सस्वर कण्ठस्थ कर लिया। सहस्राब्दियों से लेकर आज तक भी वेद मौखिक परम्परा में सुरक्षित हैं। मंत्रों को कण्ठस्थ करके की गयी जिससे कि मंत्रों को यथावत सुरक्षित रखा जा सके।

प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

जनवरी माह विशेष

मकर संक्रांति

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, तमिलनाडु में इसे पोंगल, कर्नाटक, केरल तथा आंध्र मे संक्रांति, बिहार के कुछ जिलों में 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है।

सनातन धर्म में मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य देव की पूजा करने का विधान है। इससे कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है। कहा जाता है कि कुंडली में सूर्य ग्रह के मजबूत होने से व्यक्ति को जीवन में सफलता हासिल होती है और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार, इस दिन स्नान और दान करने से साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है और सभी प्रकार से दुखों से छुटकारा मिलता है।

मकर संक्रांति को हर राज्य में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। इसमें उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का 'खिचड़ी मेला' काफी प्रसिद्ध है। यहां मकर संक्रांति के मौके पर गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है। संक्रांति के पावन मौके पर बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई जाती है। इस परंपरा को लेकर शहरवासियों का अटूट विश्वास जुड़ा हुआ है। महायोगी श्री गुरु गोरक्षनाथ को मकर संक्रांति पर चढ़ाई जाने वाली खिचड़ी सिर्फ पर्व नहीं बल्कि पूरे साल गरीबों की दुआएं लेते हुए पुण्य कमाने का रास्ता भी है। श्रद्धालुओं द्वारा अंजुलि भर चढ़ाई जाने वाली खिचड़ी पूरे साल जरूरतमंदों का पेट भरने का काम करती है। खिचड़ी के रूप मे श्रद्धालु जो भी अनाज चढ़ाते हैं, उसे पूरे साल गरीब, असहायों के बीच बांटा जाता रहा है। गोरखनाथ मंदिर में बाबा गोरक्षनाथ के सामने मकर संक्रांति पर खिचड़ी चढ़ाने की परंपरा त्रेतायुग से चली आ रही है। साल दर साल श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद में इजाफा होना यह साबित करता है कि महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के प्रति आस्था बढ़ी है। खिचड़ी चढ़ाने के दौरान मांगी गई मन्नतें पूरी होने की चर्चाओं के पंख लग चुके हैं इसलिए हर साल सर्द मौसम में भी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। खिचड़ी वाला दिन काफी खास होता है। आस्था का सैलाब उमड़ता है।

मान्यता है कि महायोगी गुरु गोरक्षनाथ एक बार हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मां ज्वाला देवी के दरबार मे पहुंचे। मां ने उनके भोजन का प्रबंध किया। कई प्रकार के व्यंजन देख बाबा ने कहा कि वह तो योगी हैं। भिक्षा में जो भी हासिल होता है, उसे ही भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। उन्होंने मां ज्वाला देवी से पानी गर्म करने का अनुरोध किया और स्वयं भिक्षाटन के लिए चले गए। भिक्षा मांगते हुए वह गोरखपुर आ पहुंचे। राप्ती व रोहिन के तट पर जंगलों में बसे इस स्थान पर धूनी रमाकर साधनालीन हो गए। उनका तेज देख तभी से लोग उनके खप्पर में अन्न (चावल, दाल) दान करते रहे। इस दौरान मकर संक्रांति का पर्व आने पर यह परंपरा खिचड़ी पर्व के रूप में परिवर्तित हो गई। वह दिन और आज का दिन, बाबा गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला थमा नहीं है। दंतकथा है कि मां ज्वाला देवी के दरबार में बाबा की खिचड़ी पकाने के लिए आज भी पानी उबल रहा है।

खिचड़ी चढ़ाने की शुरुआत : मकर संक्रांति के पावन पर्व पर भोर में चार बजे गोरक्षपीठाधीश्वर सबसे पहले नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार लोक आस्था की खिचड़ी चढ़ाकर जनमानस की सुख समृद्धि की मंगलकामना करते हैं। बतौर पीठाधीश्वर यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई सालों से यह परंपरा निभा रहे हैं। इसके बाद नेपाल राजपरिवार की ओर से आई खिचड़ी बाबा गोरक्षनाथ को चढ़ाई जाती है। बाद में गोरखनाथ मंदिर के कपाट खोल दिए जाते हैं। श्रद्धालुओं का सैलाब खिचड़ी के रूप में आस्था व्यक्त करता है। मान्यता है कि खिचड़ी चढ़ाने के दौरान मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। जिनकी मन्नतें पूरी होती हैं वे दोबारा आभार के रूप में भी खिचड़ी चढ़ाने जरूर आता है। मन्नतें पूरी होने का सिलसिला जारी है इसलिए आस्था का सैलाब भी बढ़ता जा रहा है।

हमारी विरासत

महर्षि कपिल

कपिल संस्कृत : कपिला, जिसे चक्रशनस भी कहा जाता है, हिंदू परंपरा में एक ऋषि हैं। ये सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं। इनके पिता का नाम कर्दम एवं माता का नाम देवहूति था। श्रीमद्भागवत के अनुसार इन्हें विष्णु के 24 अवतारों मे एक पाचवाँ अवतार माना जाता है। कर्दम ऋषि ने विवाह पूर्व सतयुग में सरस्वती नदी के किनारे भगवान विष्णु की घोर तपस्या की थी। उसी के फलस्वरूप भगवान विष्णु कपिलमुनि के रूप में कर्दम ऋषि के यहां जन्में। इनकी माता स्वायंभुव मनु की पुत्री देवहूति थी। कलाए अनुसुइया, श्रद्धा, हविर्भू, गति, क्रिया, ख्याति, अरुंधती तथा शान्ति आदि कपिल मुनि की बहनें थीं। जब कपिल बड़े हुए तो सांख्य दर्शन के प्रवर्तक बने। संभवत इनका काल 6 या 7 वीं शताब्दी ईसा पूर्व है। कपिल मुनि का जन्मस्थान संभवतः कपिलवस्तु और तपस्या स्थल गंगासागर था। कहा जाता है, प्रत्येक कल्प के आदि में कपिल जन्म लेते हैं जन्म के साथ ही सारी सिद्धियाँ इनको प्राप्त होती हैं। इसीलिए इनको 'आदिसिद्ध' और 'आदिविद्वान' कहा जाता है। कर्दम जब संन्यास लेकर वन जाने लगे तो देवहूती ने कहा, 'स्वामी मेरा क्या होगा' इस पर ऋषि कर्दम ने कहा कि 'तेरा पुत्र ही तुझे ज्ञन देगा।' समय आने पर कपिल ने माता को जो ज्ञान दिया, वही 'सांख्य दर्शन' कहलाया। जिसका विशद वर्णन श्रीमद्भगवत के तीसरे स्कंध में मिलता है। अपने सांख्य दर्शन में कपिल मुनि ने कर्मकांड के विपरीत ज्ञानकांड को महत्व दिया। उनके पहले कर्म को ही एक मार्ग माना जाता था और ज्ञान केवल चर्चा तक सीमित था। त्याग, तपस्या और समाधि को भारतीय संस्कृति में प्रतिष्ठित कराने का श्रेय कपिल मुनि को ही है। विकासवाद का सर्वप्रथम प्रतिपादन करके उन्होंने संसार को स्वाभाविक गति से उत्पन्न माना। सांख्य दर्शन एक द्वैतवादी दर्शन है जिसमें दो स्वतंत्र तत्व स्वीकार किये गये हैं। पुरुष और प्रकृति। पुरुष सांख्य दर्शन का आत्म तत्व है जो शरीर, इन्द्रिय, मन, बुद्धि आदि से भिन्न है। वह चौतन्य स्वरूप है। सांख्य दर्शन का दूसरा तत्व प्रकृति है जिसे त्रिगुणात्मिका कहा गया है और जो इस विश्व का मूल कारण है । सांख्य दर्शन भारतीय दर्शन की प्रथम ऐसी विचारधारा है जो एक मूलभूत कारण से ही संपूर्ण सृष्टि का विकास प्रस्तुत करती है। सांख्य दर्शन प्रकृति के विकासवाद के मूल में सत्कार्यवाद के सिद्धान्त को मानता है जिसके अनुसार सम्पूर्ण सृष्टि अपने उद्भव के पूर्व प्रकृति में ही अव्यक्त रूप में अवस्थित है। सांख्य दर्शन एक निरीश्वरवादी दर्शन है जो ईश्वर की सत्ता के विषय में मौन है। सांख्य अज्ञान (अविद्या) को दुख और बंधन (संसार) का मूल कारण मानता है। सांख्य कहता है कि इस दुख से बाहर निकलने का रास्ता ज्ञान (विवेक) है। सांख्य विद्यालय का कहना है कि मोक्ष (मुक्ति), प्रकृति (अव्यक्त-अव्यक्त) और पुरुष (ज्ञान) के बीच अंतर जानने का परिणाम है ।

मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांक 01 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह के दिशा–निर्देश में दिनांक 01.01.2024 से 06.01.2024 तक बी. एस. सी. बॉयोटेक्नोलॉजी, बी.एस. सी.मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बी. एस.सी. मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, एम. एस.सी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, एम.एस.सी. मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री एवं एम.एस.सी. बॉयोटेक्नोलॉजी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों कि मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गयी। जिसमें बाह्य परीक्षक के रूप में प्रो. शरद कुमार मिश्रा, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. राजकुमार, बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर, डॉ. नितिन सिंह, पसिफ़िक कॉलेज ऑफ़ फिजियोथेरेपि, डॉ. अमरेश सिंह, बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर, डॉ. आदित्य, डॉ. गौरव आनंद, पसिफ़िक कॉलेज ऑफ़ फिजियोथेरेपि, प्रो. सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, फार्मेसी संकाय जी उपस्थित थे। आन्तरिक परीक्षक के रूप में डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहें।

विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा लेते हुए डॉ. शरद कुमार मिश्रा जी

बैठक : कार्यपरिषद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

कार्यपरिषद की बैठक में उपस्थिति माननीय कुलपति, कुलसचिव व अन्य

दिनांक 07 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आयोजित कार्यपरिषद की 9वीं बैठक का आयोजन पूर्वाह्न–11:30 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में, कार्यपरिषद की दिनांक 22/10/2023 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्यवृत्त का पुष्टिकरण व उस बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन का विवरण अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया।

तदोपरान्त परीक्षा समिति की कार्यवाही, प्रवेश समिति की कार्यवाही, प्रवेश एवं दीक्षारंभ कार्यक्रम, नीतिगत विषय/नीति निर्धारण, एन.एस.एस./एन.सी. सी., राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/सेमिनार, विभिन्न समितियों के गठन एवं पुनर्गठन की सूचना, त्याग–पत्र, नियुक्तियाँ, नियमितीकरण विषयक प्रकरण, इआरपी डेवलपमेंट, जारी आदेश/कृत कार्यवाही की सूचना एवं वर्ष 2023 में आयोजित बैठकों के कार्यवृत्त आदि विषयों पर विचार–विमर्श किया गया तथा अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक सत्र 2024–25 से 100 सीट की प्रवेश क्षमता के साथ एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाए जाने का अनुमोदन प्रस्तुत किया गया।

इस बैठक में मेजर जनरल अतुल बाजपेई, कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, महन्त योगी मिथिलेशनाथ, धर्माचार्य, आदिशक्ति मॉ पाटेश्वरी मन्दिर देवीपाटन, तुलसीपुर, बलरामपुर, श्री रामजनम सिंह, पूर्व प्राचार्य, महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, श्री प्रमथनाथ मिश्र, वरिष्ठ अधिवक्ता, डॉ. सी.एम. सिन्हा, वरिष्ठ कैंसर सर्जन, श्री प्रेम कुमार पाण्डेय, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश, प्रो. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, डॉ. सुमित कुमार एम, सह आचार्य, डॉ. प्रिया एस.आर. नैयर, सहायक आचार्य, प्रो. शोभा गौड, प्रोफेसर, प्रो. राजेन्द्र भारती, विजिटिंग प्रोफेसर/अधिष्ठाता प्रशासन विशेष आमंत्रित, डॉ. हरिओम शरण, अधिष्ठाता, चिकित्सा संकाय विशेष आमंत्रित, श्री नीरज गौतम, मुख्य अभियंता, विशेष आमंत्रित, श्री अनिल कुमार सिंह, सी.ए. गोरखपुरविशेष आमंत्रित, श्री आशीष कुमार सिंह, सहायक अभियंता विशेष आमंत्रित, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग विशेष आमंत्रित, डॉ. डी.सी. ठाकुर, निदेशक, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय विशेष आमंत्रित, श्री अमित कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विशेष आमंत्रित, डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर सदस्य–सचिव की उपस्थिति रही।

बैठक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा द्वारा धन्यवाद ज्ञापनोपरान्त समाप्त हुई।

सेवाकालीन शिक्षा

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

सेवाकालीन शिक्षा सत्र में प्राध्यापकों को उद्बोधित करतीं हुई उपप्राचार्या श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज

दिनांक 08 जनवरी, 2024 को विश्वविद्यालय के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में सेवाकालीन शिक्षा का आयोजन किया गया। जिसका संचालन उप प्रधानाचार्य श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज द्वारा गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभी संकाय सदस्यों की उपस्थिति में किया गया।

सेवाकालीन शिक्षा का विषय मास्टर रोटेशन पाठ योजना, क्लिनिकल रोटेशन प्लान, यूनिट प्लान, पाठ्यक्रम के बारे में था। जिसमें 15 प्राध्यापकों ने भाग लिया था। इसमें इकाई योजना और पाठ योजना, यूनिट प्लान कैसे बनाएं तथा सभी अध्यापिकों की समस्याओं का समाधान किया गया।

बैंक लोन एवं इनकम टैक्स : सेमिनार

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 09 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के कांफ्रेंस हाल में अप्लाई व्हीकल लोन, ऑनलाइन अप्लाई होम लोन, यूनियन एजुकेशन लोन, जीएसटी, इनकम टैक्स, अप्लाई पर्सनल लोन, अप्लाई एग्रीकल्चर लोन, केसीसी, लोन एप्लीकेशन स्टेटस विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका संचालन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहायक मैनेजर मार्केटिंग स्केल–1 श्री कार्तिक ठाकुर, श्री मनीष कुमार चौबे, श्री राघवेन्द्र (केयर इंश्योरेंस) ने किया।

सेमिनार में गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या, डॉ. डी.एस. अजीथा, उपप्राचार्या श्रीमती प्रिसीं जॉर्ज एवं सभी संकाय सदस्यों की उपस्थित रही।

सेमिनार में शिक्षकों को प्रशिक्षण देते श्री कार्तिक ठाकुर

व्यक्तित्व विकास : प्रशिक्षण

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांक 11 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में उन्नति फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व व भाषा कौशल विकास हेतु 1 माह के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 11 जनवरी 2024 से 19 फरवरी 2024 तक सक्रीय रूप से विद्यार्थियों को समग्र रूप से प्रशिक्षित करेगा।

इससे विद्यार्थी स्वयं का आंकलन करने में सक्षम होंगे एवं उनमें सामाजिक कौशल का विकास होगा। सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा की ऐसे प्रशिक्षण से विद्यार्थियों के मनोबल वृद्धि होती है और यह आत्मविश्वास को भी जगाती है जिससे विद्यार्थी अपने करियर के प्रति जागरूक होकर स्वयं को सुदृढ़ करते हैं। भाषा कौशल के आधार पर ही उनकी अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जाता है । जब एक छात्र सस्वर एवं धाराप्रवाह रूप में बोलते हुए अपने विचारों को प्रस्तुत करता है, तो यह माना जाता है कि उसमें वाचन कौशल की योग्यता है। उन्होंने उन्नति फाउंडेशन को विशेष धन्यवाद भी दिया।

व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण देते हुए श्री शिवानन्द त्रिपाठी

खेलकूद प्रतियोगिता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

रस्सा खींच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते कैडेट्स

दिनांक 12 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर दौड़, लांग जंप एवं रस्सा खींच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया।

दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी बालक और बालिका कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एन.सी.सी. ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवं रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। दौड़ प्रतियोगिता के लिए एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजाकर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव, द्वितीय स्थान, सागर जायसवाल, तृतीय स्थान, हरयश्व कुमार सहानी रहें। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान, कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लम्बी कूद में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवं अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान। रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में ग्रुप बी विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में बी ग्रुप विनर रहा।

प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट अनुभव, सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव, खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया, रीतू मौर्य, निधि साहनी, शालिनी चौहान, साक्षी प्रजापति, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अंशिका सिंह, आंचल पाठक अश्मिता एवं उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

सेवाकालीन शिक्षा आयोजन

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 13 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा के मार्गदर्शन में सेवाकालीन शिक्षा का आयोजन किया गया, जिसका संचालन करते हुए प्रो. जेनी डी. ने कहा कि सेवाकालीन शिक्षा को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रयुक्त सूचना विज्ञान एवं चिकित्सा विज्ञान कहते हैं। इसमें स्वास्थ्य डेटा के प्रभावी संग्रह, सुरक्षा और समझ के माध्यम से रोगी–चिकित्सक संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और इनफॉर्मेटिक के लाभ–हानि के बारे में बताया। इस आयोजन में नर्सिंग कॉलेज की समस्त शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

सेवाकालीन शिक्षा के विषय में जानकारी देतीं प्रो. जेनी डी.

कंबल वितरण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ग्रामीणों को कंबल वितरित करते हुए माननीय कुलपति

दिनांक 14 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मकर संक्रान्ति के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने आसपास के जरूरतमंद ग्रामीणों को बढ़ते हुए ठण्ड में सुरक्षित रहने के लिए कंबल वितरित किया। इस दौरान लगभग 215 ग्रामीणों ने कंबल प्राप्त किया। विश्वविद्यालय का उद्देश्य सामाजिक सरोकार से सदैव जुड़े रहना है।

अखण्ड रामायण पाठ के दौरान माननीय कुलपति जी एवं महाप्रसाद प्राप्त करते हुए विद्यार्थी एवं कर्मचारी

दिनांक 21 से 22 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में प्रभु श्रीरामचन्द्र जी के विग्रह में प्राण–प्रतिष्ठा के पावन पुण्य अवसर पर श्रीरामचन्द्र जी की पूजा–अर्चना के साथ अखण्ड रामायण का पाठ सम्पन्न हुआ। सिर्फ अयोध्या ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत राममय हो गया। सामाजिक समरसता सरलता सहनशीलता और मर्यादा की जहां बात हो वहां राम साक्षात हैं। राम का जीवनचरित सभी के लिए आदर्श और प्रेरणा स्रोत है। आज 500 वर्षों के संघर्षों के बाद यह अवसर आया है कि पूरा देश राममय हो गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी की उपस्थिति में प्रातः काल से ही अखण्ड रामायण का पाठ एवं महाप्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। माननीय कुलपति जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आज सम्पूर्ण भारत रामोत्सव का त्योहार मना रहा है। हम सभी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्र जी के आदर्शों को अपनाना चाहिए। दूसरी तरफ छात्रों ने अत्यंत ही मनमोहक रामलला की रंगोली उकेरी जो अत्यंत ही दर्शनीय एवं प्रशंसनीय रही। रंगोली बनाने में प्रियंका, अर्मिता, रूपाली, रोमा पटेल ने नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा के निर्देशन में बहुत ही सुंदर एवं मनमोहक रंगोली तैयार की एवं विश्वविद्यालय परिसर को द्वीप एवं मालाओं से अलंकृत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

मेंहदी प्रतियोगिता

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएं

दिनांक 23 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस पर आधारित मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा के नेतृत्व में किया गया। इसका संचालन सुश्री स्वेता अल्बर्ट एवं सुश्री नैंसी मिश्रा के द्वारा किया गया। जिसका मूल्यांकन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के उपकुलसचिव श्री श्रीकांत एवं सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनुपमा ओझा के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की कुल 58 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा के नेत्तृत्व में किया गया।

भाषण प्रतियोगिता

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती हुई छात्रा

दिनांक 24 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा के नेतृत्व में किया गया। इसका संचालन श्रीमती जैनी डी एवं सुश्री शिवांगनी दूबे के द्वारा किया गया। जिसका मूल्यांकन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फॉर्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह तथा रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन कोडलडे। इस प्रतियोगिता में गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की कुल 29 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा के नेत्तृत्व में किया गया।

भाषण प्रतियोगिता

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

दिनांक 25 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण कराया गया। विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता और उत्साह दिखा। मतदाता दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय में 1761 नए मतदाता पंजीकृत किए गए।

विद्यार्थियों ने 'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है की हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओ की मर्यादा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा एवं अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे' का शपथ लिया। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता के लिए पात्र नागरिकों को अनिवार्य रूप से मतदाता बनाना है ताकि वह अच्छी अध्यापन के साथ–साथ मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। एक नागरिक और मतदाता के तौर पर सक्रिय रूप से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

शपथ ग्रहण में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अधिष्ठाता, प्राचार्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गणतंत्र दिवस समारोह

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में ध्वजारोहण के दौरान माननीय कुलपति, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांक 26 जनवरी, 2024 को 75 वें गणतंत्र दिवस की शुभ अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात बीएससी नर्सिंग की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई जी ने अयोध्या मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए, सभी से अपेक्षा किया कि भारत को विकसित भारत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें, एवं परिवर्तनातमक बनाने का प्रयास करें।

इस अवसर पर छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम देशभक्ति गीत, नर्सिंग छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत भाषण, स्वागत नृत्य (प्रिया गोंड) हिंदी काव्य (अपर्णा चौबे), समूह नृत्य (नर्सिंग छात्राओं द्वारा), अंग्रेजी भाषण (आराध्या मिश्रा), समूह नृत्य (पैरामेडिकल छात्राओं द्वारा), हिंदी भाषण इत्यादि प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित मेहंदी, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता में विजयी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विद्यार्थियों को नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति जी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

मेंहदी प्रतियोगिता में बबली जायसवाल, शालू गुप्ता, जानवी यादव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में पल्लवी, रुपाली शर्मा, प्रिया श्रीवास्तव ने क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी भाषा प्रतियोगिता में ब्यूटी यादव, प्राची यादव, सौम्या मिश्रा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी भाषा में आराध्या मिश्रा, प्रीति गुप्ता, आदित्य ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन बीएससी नर्सिंग की बीएससी नर्सिंग की चतुर्थ वर्ष की छात्राएं प्राची और श्रद्धा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, उप–प्रधानाचार्य श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज और अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज विभाग के प्रमुख श्री रोहित श्रीवास्तव जी एवं नर्सिंग और पैरामेडिकल के सभी शिक्षक सहित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के समापन में बीएससी नर्सिंग चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कुमारी रोमा पटेल द्वारा धन्यवाद प्रस्तुत किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

ध्वजारोहण करते हुए प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. एवं उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांक 26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतन्त्र दिवस का समारोह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एम. एस. ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात् उन्होंने एन. सी.सी. कैडेट्स का गार्ड ऑफ ऑनर लिया। डॉ. मंजूनाथ जी ने कहा कि 75वाँ गणतन्त्र दिवस नवभारत के सृजन संकल्प और अमर सेनानियों के स्मरण को समर्पित है। दृढ़ संकल्पित भारत की विकास यात्रा में हम सभी को सहभागी बनना है।

कार्यक्रम के अगले क्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें और भारत को पुनः विश्वगुरु एवं विश्वशक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करें। हमें अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा, नक्सलवाद, आतंकवाद, गरीबी, बेजोरगारी एवं अशिक्षा जैसी समस्याओं को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के बताए रास्ते पर चलना चाहिए और उनके आदर्शो को अपनाना चाहिए।

एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट्स ने मार्च पास करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिया। परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। परेड में अनुभव, आदर्श मौर्या, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, आशुतोष मानी त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, हर्यस्व कुमार साहनी, कृष्ण त्रिपाठी, मोतीलाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम सिंह, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, गौरी कुशवाहा, खुशी, निकिता गौड, पूजा सिंह, ऋतु मौर्या, साक्षी प्रजापति, संजना शर्मा, शालिनी चौहान, श्रद्धा उपाध्याय, अंचल पाठक, अस्मिता सिंह, चांदनी निषाद ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सभी को देशप्रेम के भाव से आह्लादित कर दिया।

मंच संचालन सिद्धार्थ दूबे एवं शगुन शाही ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में उत्कर्ष, निधि वर्मा, कनिष्का, शिवम पाण्डेय, अंजु शर्मा एवं एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति सामूहिक नृत्य प्रस्तुति से सभी की देश भक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के समापन पर सांस्कृतिक एवं विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमुख रूप से उपकुलसचिव डॉ. श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय सहित समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी कैडेट एवं समस्त विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

पुण्यतिथि

हिन्दुआ सूर्य : महाराणा प्रताप

आज 19 जनवरी को पुण्यतिथि है धर्म की रक्षा के लिए हर सुख का त्याग करने वाले उस अमर बलिदानी का जिनका नाम सुनकर आज भी भुजाएं खुद से ही फड़क उठती हैं। पुण्यतिथि है राजस्थान में आज ही जन्मे उस गौरव महाराणा प्रताप का जो बन गये हिंदुत्व के वो प्रतीक जो शिक्षा देते रहेंगे अनंत काल तक धर्म की रक्षा की।

भले ही हालात कितने भी विषम क्यों न हो और दुश्मन कितना भी मजबूत क्यों न हो। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई, 1540 ईस्वी को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। हिन्दू परंपरा से वीर व महान महाराणा प्रताप की जयंती विक्रमी संवत कैलेंडर के अनुसार प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है।

उनके पिता महाराणा उदयसिंह और माता जीवत कंवर या जयवंत कंवर थीं। वे राणा सांगा के पौत्र थे। महाराणा प्रताप को बचपन में सभी 'कीका' नाम लेकर पुकारा करते थे। राजपूताना राज्यों में मेवाड़ का अपना एक विशिष्ट स्थान है जिसमें इतिहास के गौरव बाप्पा रावल, खुमाण प्रथम, महाराणा हम्मीर, महाराणा कुम्भा, महाराणा सांगा, उदयसिंह और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने जन्म लिया है। महाराणा प्रताप को राजपूत वीरता, शिष्टता और दृढ़ता की एक मिशाल माना जाता है। वह मुगलों के खिलाफ युद्ध लड़ने वाले एकलौते योद्धा थे। उन्होंने स्वयं के लाभ के लिए भी कभी किसी के आगे हार नहीं मानी थी। वह अपने लोगों से बहुत प्यार करते थे और उनके साथ आजादी की लड़ाई में भी शामिल हुए थे।

मेवाड़ की शौर्य-भूमि धन्य है जहां वीरता और दृढ प्रण वाले प्रताप का जन्म हुआ। जिन्होंने इतिहास में अपना नाम अजर-अमर कर दिया। उन्होंने धर्म एवं स्वाधीनता के लिए अपना बलिदान दिया। सन् 1576 के हल्दीघाटी युद्ध में करीब बीस हजार हिन्दुओं को साथ लेकर महाराणा प्रताप ने मुगल सरदार के अस्सी हजार की सेना का सामना किया। महाराणा प्रताप के पास एक सबसे प्रिय घोड़ा था, जिसका नाम 'चेतक' था। इस युद्ध में अश्व चेतक की भी मृत्यु हुई। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को शक्ति सिंह ने बचाया। यह युद्ध केवल एक दिन चला परंतु इसमें सत्रह हजार लोग मारे गए। प्रताप को अपने अज्ञातवास जीवन में बहुत कठिन मुसीबतों का सामना करना पड़ा किन्तु वह स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे। उनका बलिदान अनुयायियों के बीच एक वीर योद्धा की तरह हुआ। हल्दीघाटी का युद्ध क्रूर, निर्दयी अकबर और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के बीच 18 जून, 1576 ई. को लड़ा गया था, हल्दीघाटी के युद्ध में न तो दरिंदा अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। महाराणा प्रताप का भाला 81 किलो वजन का था और उनके छाती का कवच 72 किलो का था। उनके भाला, कवच, ढाल और साथ में दो तलवारों का वजन मिलाकर 208 किलो था। हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के पास सिर्फ 20000 सैनिक थे और अकबर के पास 85000 सैनिक, इसके बावजूद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे। जब युद्ध के दौरान मुगल सेना उनके पीछे पड़ी थी तो चेतक ने महाराणा प्रताप को अपनी पीठ पर बैठाकर कई फीट लंबे नाले को पार किया था। हिन्दुओ को वीरता, स्वाभिमान, शौर्य की शिक्षा दे कर आज ही के दिन अर्थात 19 जनवरी 1597 को वीर शिरोमणि राणा प्रताप जी अमरता को प्राप्त हो गए थे। आज भी चित्तौड़ की हल्दी घाटी में चेतक की समाधि बनी हुई है। आज वीरता और शौर्य के उस अमर योद्धा महाराणा प्रताप को उनके पुण्यतिथि पर बारम्बार नमन और वंदन करते हुए उनकी गौरवगाथा को सदा-सदा के लिए अमर रखने का संकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिवार लेता है।

वीर शिरोमणि धर्मयोद्धा, हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप अमर रहें।

स्थापना दिवस

उत्तर प्रदेश

'अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते ।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥

महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण में श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण से कहते हैं। ''लक्ष्मण! यद्यपि यह लंका सोने की बनी है, फिर भी इसमें मेरी कोई रुचि नहीं है, क्योंकि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान हैं।'' अपनी जन्मभूमि का उत्सव मानाने एवं उसकी स्वर्णिम गाथा को स्मरण करने हेतु 24 जनवरी को विगत 7 वर्षों से हम अपनी जन्मभूमि उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मानते आ रहे हैं। स्वतन्त्रता के उपरान्त 24 जनवरी 1950 को तत्कालीन संयुक्त प्रांत को उत्तर प्रदेश के रूप में गठित किया गया। इसके बाद साल 2000 में उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड राज्य बना। हालांकि उत्तर प्रदेश को 1950 में राज्य घोषित किया गया किन्तु उत्तर प्रदेश दिवस को शुभ अवसर के रूप में मनाने की शुरुआत हमारे जनहितकारी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। 2017 में माननीय मुख्यमंत्री जी ने ऐलान किया कि 24 जनवरी को राज्य अपना स्थापना दिवस 'यूपी दिवस' के रूप में मनाएगा। तदोपरांत हर वर्ष 24 जनवरी से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय समारोह के साथ इस महोत्सव को मनाया जाता है।

भारत का चौथा सबसे बड़ा राज्य एवं सबसे अधिक आबादी वाला राज्य न केवल उत्तर भारत में स्थित राज्य है अपितु भारत की समस्याओं के उत्तर रखने वाला उत्तर प्रदेश भी है। उत्तर प्रदेश ने भारत के इतिहास में माँ भारती के ज्येष्ठ पुत्र की भूमिका बखूबी निभाई है। कलात्मक एवं सांस्कृतिक रूप से विचार किया जाये तो उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा है। शास्त्रों के अनुसार विश्व का प्राचीनतम एवं शास्वत शहर काशी उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश में श्रीराम, श्रीकृष्ण एवं भगवान् शिव तीनो का वास है। आधुनिक इतिहासकर्ताओं के अनुसार भी उत्तर प्रदेश की हर काल खंड में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत की राजनीति में भी अहम् भूमिका निभाते हुए उत्तर प्रदेश ने स्वतंत्रता से आज तक देश को सबसे अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं। खेल, सिनेमा, राजनीति एवं प्रोद्योगिकी हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की पावन भूमि ने दिग्गज एवं प्रतिभाशाली व्यक्तित्व जने हैं।

इसी गौरवशाली इतिहास को स्मरण करने एवं अपने पूर्वजों के पदचिन्हों पर चलने के लिए पूरा राज्य इस दिवस को हर्षोल्लास से मनाता है। इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश दिवस-2024 का आयोजन 24 से 26 जनवरी तक किया गया। इसमें विशिष्ट प्रतिभाओं और इन्वेस्टर समिट के बाद जनपद में उद्योग स्थापित उद्योगपतियों को सम्मानित किया गया। प्रेरणास्वरुप, सम्मानित की जानी वाली विशिष्ट प्रतिभाओं की सक्सेज स्टोरीज़ को फोटो, शॉर्ट फिल्म और ब्रोशर के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

आज़ादी के इस अमृत काल में विकसित भारत @ 2047 का संकल्प लेकर आज उत्तर प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज जी के नेतृत्व में उम्मीदों का प्रदेश, उत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।

जय उत्तर प्रदेश!! जय भारत!!

जनवरी माह के प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

12 जनवरी, 2024	राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर खेल प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया।
17 जनवरी, 2024	यूपी 102 एनसीसी बटालियन गोरखपुर के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में एनसीसी कैडेट्स ने अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा हेतु स्वच्छता भावापर्ण श्रमदान किया।
23 जनवरी, 2024	पराक्रम दिवस पर सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर विश्वविद्यालय ने सतर्कता का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

12 जनवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय युवा सप्ताह' उद्घाटन एवं स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह के प्रथम दिवस को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।
13 जनवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 'राष्ट्रीय सेवा योजना' के द्वारा 'राष्ट्रीय युवा सप्ताह' 'विकसित भारत/2047' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
16 जनवरी, 2024	राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत शतरंज और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
17 जनवरी, 2024	राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित सभी इकाई के बीच लोक नृत्य और लोक गीत सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,
18 जनवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयंती पर आयोजित 'राष्ट्रीय युवा सप्ताह' का समापन समारोह पंचकर्म सभागार में आयोजित किया गया।
25 जनवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण कराया गया।

जनवरी माह की मुख्य बैठकें

02 जनवरी, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आई.टी. सेल की बैठक सम्पन्न हुई।
03 जनवरी, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की समीक्षा बैठक कोर कमेटी के सदस्यों के साथ सम्पन्न हुई।
05 जनवरी, 2024	माननीय कुलसचिव जी की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित हुई।
07 जनवरी, 2024	कार्यपरिषद की 9वीं बैठक का आयोजन पूर्वाह्न–11:30 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।
11 जनवरी, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में माननीय प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन का सजीव प्रसारण एवं राज्य सरकार से प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में बैठक सम्पन्न हुई
12 जनवरी, 2024	माननीय उपकुलसचिव जी की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित हुई।
19 जनवरी, 2024	माननीय कुलसचिव जी की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित हुई।

फरवरी, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

15 से 28 फरवरी, 2024	विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

14 फरवरी, 2024	बसंत पंचमी पूजा हवन
15 फरवरी, 2024	चरक बैच (2021–22) पूरक परीक्षा

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

12 से 17 फरवरी, 2024	आंतरिक परीक्षा
24 फरवरी, 2024	अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

02 फरवरी, 2024	अतिथि व्याख्यान (ड्रोन आधारित कृषि)
13 फरवरी, 2024	पुष्प निर्जलीकरण कार्यशाला
22 फरवरी, 2024	शैक्षणिक भ्रमण

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

1 से 3 फरवरी, 2024	द्वितीय आंतरिक परीक्षा
12 से 14 फरवरी, 2024	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
12 फरवरी, 2024	परीक्षा परिणाम घोषणा

फॉर्मेसी संकाय

01 से 07 फरवरी, 2024	आंतरिक एवं प्रायोगिक परीक्षा
15 से 28 फरवरी, 2024	छमाही परीक्षा

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

12 से 14 फरवरी, 2024	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
14 फरवरी, 2024	द्वीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

आगामी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

Session - I Day – I 12/02/2024 Monday	Date	Activities	Section Time	Resource Person
	8:30AM to 9:30 AM	Registration	-	Spot Registration & Pre-Test (hybrid mode)
	9.30AM to 9.40AM	Inauguration of Exhibition by Chief Guest	-	-
	9:45 AM To 11:15 AM	☐ Lamp lighting	09:45AM to 09:47 AM	☐ **Chief Guest** **Dr. M L B Bhatta**, Ex. Vice Chancellor, King George Medical University, Lucknow ☐ **Special Guest** **Dr. G N Singh**, Ex. Drug Controller General of India, Advisor of Hon'ble CM of Govt of UP. ☐ **Chairperson** **Maj. Gen. (Dr.) Atul Bajpai**, Vice Chancellor, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur.
		☐ Saraswati Vandana	09:47AM to 09:50 AM	
		☐ Honoring of Guest	09:50AM to 09:52 AM	
		☐ Welcome Speech by Ms. Swetha Albert, Nursing Tutor, GSGCON	09:52AM to 09:55 AM	
		☐ Key Note Address Dr. D L Sugashini Agrahari, Principal, BHU, Varanasi	09:55AM to 10:20 AM	
		☐ Message by Special Guest **Dr. G N Singh,** Ex. Drug Controller General of India, Advisor of Hon'ble CM of Govt of UP.	10:20AM to 10:35 AM	
		☐ Message by Chief Guest **Dr. M L B Bhatta,** Ex. Vice Chancellor, King George Medical University, Lucknow	10.35 AM-10.55AM	
		☐ Presidential Address by **Maj. Gen. Dr. Atul Bajpai,** Vice Chancellor, MGUG.	10:55AM to 11:10 AM	
		☐ Vote of Thanks By Dr. D S. Ajetha, Principal, GSGCON	11:10AMto 11:13 AM	
		☐ National Song (Vande Matram)	11:13AM to 11:15 AM	
	11:15AMto 11:45 AM	Tea Break	-	-
	11:45 AM To	**Theme: "Ancient Indian Knowledge system and its contribution towards Nursing".**	11:45AM – 12:15 PM	☐ **Paper Presentation** by Research Scholars. **1. Mr.Subham**

	01:00 PM	**Chairperson:** □ **Dr. M L B Bhatta,** Ex. Vice Chancellor, King George Medical University, Lucknow **Co-Chairperson:** **Dr. Mini K V** Professor, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda) **Moderator/Coordinator:** □ **Mrs. D Jenni,** Professor, GSGCON □ **Rapporteur:** **Ms. Kavita Sahni,** Clinical Instructor □ **Technical Experts:** Mr. Prabhu M & Mr. Akshay Edward		**1. Ms. Sakshi Sharma** **2. Mr. Gnana Leonarld D**
			12.15PM 12:25PM	**Co-Chairperson:** **Dr. Mini** Professor, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda)
			12.25PM 12:45PM	□ **Chairperson Presentation & Remarks** **Dr. M L B Batta** Ex. Vice Chancellor, King George Medical University, Lucknow
			12:45 PM– 01:00 PM	□ **Discussion on Lecture**
	1:00 PM to 2:00 PM	Lunch Break	-	-
	2:00 PM To 4:00PM	**Theme: "Future of Nursing: Service & Education"** **Chairperson:** □ **Dr. Renuka K,** Principal, Nursing College, AIIMS Gorakhpur, U.P. **Co-Chairperson:** □ **Dr. Deviga T** Assistant Professor, AIIMS Gorakhpur. **Moderator/Coordinator:** □ **Mrs. P R Lego Shincy** Asst. Professor, GSGCON **Rapporteur:** □ **Ms. Shivangi** Clinical Instructor **Technical Experts:** □ Mr. Prabhu M Mr. Akshay Edward	2:00 PM- 3:00 PM	□ **Paper Presentation** by Research Scholars. **1. Ms. Shalu Jaiswal** **2. Ms. Kajal Maurya** **3. Mrs. Soma Rani Das**
			3:00 PM – 3:15 PM	□ **Co-Chairperson:** **Dr. Deviga T** Assistant Professor, AIIMS Gorakhpur.
			3:15 PM – 3:45 PM	□ **Chairperson Presentation & Remarks** **Dr. Renuka K, Principal,** Nursing College, AIIMS Gorakhpur, U.P.
			3:45 PM – 4:00 PM	□ **Discussion on Lecture**
	4:00PM to 4:30 PM	Tea Break	-	-
	4:30 PM to 7:00 PM	Guru Gorakshnath Mandir Darshan	-	-
	8:00 PM	Dinner	-	-

Day – II	Date	Session	Section Time	Resource Person

13/02/2024 Tuesday	9:00AM to 10:00AM	***Special Lecture:*** **"Artificial Intelligence in health care"**	9:00AMto 10:00 AM	□ **Dr. Rohith Kumar Tiwari** Assistant Professor, Madan Mohan Malaviya University of Technology, Gorakhpur
	10:00AM to 10:30AM	Tea Break	-	-
	10:30AMto 12:00 N	**Theme: "Educational Governance: Modern Era"** **Chairperson:** □ **Mrs. Beena James** Principal, Fathima Nursing and Paramedical College, Gorakhpur **Special Lecture By:** □ **Dr. Sumathi Sasikala** Lecturer, University of Buraimi, Oman **Moderator/Coordinator:** □ **Mrs. Mamta** Asst. Professor, GSGCON **Rapporteur:** □ **Ms. Diksha Gupta** Nursing Tutor **Technical Experts:** □ Mr. Prabhu M Mr. Akshay Edward	10:30AM– 11:00 AM	□ **Paper Presentation** by Research Scholars: **1. Mrs. D. Jenny** **2. Mrs. Aiman Khan** **3. Mrs. Sangita**
			11:00AM– 11:15 AM	□ **Special Lecture By:** **Dr. Sumathi Sasikala** Lecturer, University of Buraimi, Oman.
			11:15AM– 11:45 AM	□ **Chairperson Presentation & Remarks** **Mrs. Beena James** Principal, Fathima Nursing and Paramedical College, Gorakhpur
			11:46 AM – 12:00 N	□ **Discussion on Lecture**
	12:15PMto 01:30 PM	**Theme: "Competency based Education in Nursing"** **Chairperson:** □ **Dr. Alka Saxena** Principal, Govt. Nursing College, BRD Medical College, Gorakhpur, U.P. **Special Lecture By:** □ **Mrs. Gayathri Jayaponnuraj**, Clinical Nurse Educator, MCH Hospital, Kingdom of Saudi Arabia (KSA). **Moderator/Coordinator:** □ **Mrs. Soma Rani Das** Associate Professor, **Rapporteur:** □ **Ms. Nainshi Mishra** Clinical Instructor **Technical Experts:** □ Mr. Prabhu M Mr. Akshay Edward	12:15PM – 12:45PM	□ **Paper Presentation** by Research Scholars **1. Ms. Shivangi Shani** **2. Ms. Simran Gupta** **3. Ms. Diksha Gupta**
			12:45PM – 1:05PM	□ **Special Lecture By:** **Mrs. Gayathri Jayaponnuraj**, Clinical Nurse Educator, MCH Hospital, Kingdom of Saudi Arabia (KSA)
			1:05PM – 1:20PM	□ **Chairperson Presentation & Remarks:** **Dr. Alka Saxena** Principal, Govt. Nursing College, BRD Medical College, Gorakhpur, U.P.
			1:20PM - 1:30PM	□ **Discussion on Lecture**

	1:30PM to 2:30 PM	Lunch Break	-	-
	2:30 PM To 4:00 PM	**Theme: "Globalization of Indian Knowledge System"** **Chairperson:** □ **Dr. Manjunath N S** Principal, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda) **Special Lecture By:** □ **Dr. Omkar Nath Singh** USA **Moderator/Coordinator:** □ **Mrs. Shweta Albert** Nursing Tutor, **Rapporteur:** □ **Ms. Shanti Kumari** Clinical Instructor **Technical Experts:** □ Mr. Prabhu Mr. Akshay Edward	2:30PM – 3:15PM	□ **Paper Presentation** by Research Scholars. **1.Ms. Nainshi Mishra** **2.Ms. Mamta Chaurasiya** **3.Ms. Anchal Pandey**
			3:15 PM – 3:40 PM	□ **Special Lecture By:** **Dr. Omkar Nath Singh** USA
			3:40 PM – 3:50 PM	□ **Chairperson Presentation & Remarks** **Dr. Manjunath N S** Principal, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda)
			3:50 PM – 4:00 PM	□ **Discussion on Lecture**
	4:00PM to 4:30 PM	Tea Break	-	-
	4:30 PM To 5:30 PM	**"Nurses Role at Health Centers" Chairperson:** □ **Dr. D C Thakur** Director, Guru Shri Gorakshnath Chikitsalaya, Gorakhpur, U.P. **Special Lecture By:** □ **Mrs. Lilley Joseph** Nurse Manager, Cleveland Clinic Florida, USA **Moderator/Coordinator:** □ **Ms. Sosan Dan** Nursing Tutor, GSGCON **Rapporteur:** □ Ms. Naina Singh Nursing Tutor **Technical Experts:** □ Mr. Prabhu M	4:30PM - 5:00PM	□ **Paper Presentation** by Research Scholars: **1.Ms. Anchal Gupta** **2.Ms. Shivangni Dubey** **3.Ms. Sosan Dan**
			5:00PM - 5:20PM	□ **Special Lecture By:** **Mrs. Lilley Joseph** Nurse Manager, Cleveland Clinic Florida, USA
			5:20PM - 5:25PM	□ **Chairperson Presentation & Remarks** **Dr. D C Thakur** Director, Guru Shri Gorakshnath Chikitsalaya, Gorakhpur, U.P.
			5:25PM – 5:30PM	□ **Discussion on Lecture**
	5:30 PM to 6:00 PM	Tea Break	-	-
	6:00 PM to 8:30 PM	Cultural Programs	-	-

Day – III 14/02/2024 Wednesday	Date	Session	Section Time	Recourse Person
	10:00AMto 11:30AM	Closing Ceremony		□ **Special Guest** **Dr. D C Thakur** Director, Guru Shri Gorakshnath Chikitsalaya, Gorakhpur, U.P. □ **Chief Guest** **Dr. A K Singh** Vice Chancellor, Mahayogi Gorakhnath AYUSH University, Gorakhpur, U.P. □ **Chairperson** **Prof. U. P. Singh**, Ex. Vice Chancellor of Veer Bagatur Purvanchal University, Pro-Chancellor of Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur
		□ Pushpanjali & Lamp lighting	10:00AM - 10:02AM	
		□ Saraswati Vandana	10:02AMto 10:06AM	
		□ Honoring of Guest	10:06AM - 10:08AM	
		□ Welcome Speech	10:08AM - 10:12AM	
		□ Message by Special Guest	10:12AM - 10:25AM	
		□ Message by Chief Guest	10:25AM - 10:45AM	
		□ Blessing by **Prof. U. P. Singh**, Pro-Chancellor, MGUG	10:45AM - 10:55AM	
		□ Presidential Address **Maj. Gen. Dr. Atul Bajpai,** Vice Chancellor, MGUG.	10:55AM - 11:10AM	
		□ Vote of Thanks	11:10AM - 11:17AM	
		□ National Song -Vande-Maathram	11:17AM- 11:20 AM	
	11:20AM to 11:30 AM	□ Post Test	-	

समाचार दर्पण

हिंदुत्व की आध्यात्मिक ज्योति पुंज हैं विवेकानंद

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। राष्ट्रीय युवा दिवस पर विवि में एनसीसी की 102 यूपी बटालियन द्वारा दौड़, लांग जंप और रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विवेकानंद का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी के एएनओ डॉ. हरी कृष्ण और सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता की निगरानी की। इसमें दौड़, लंबी कूद व रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज व गर्ल्स कैडेट ने प्रतिभाग किया।

भारत को विकसित बनाने में अपना योगदान दें युवा

गोरखपुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा गोरखपुर महानगर द्वारा युवा मतदाता, भारत का भाग्य विधाता विषय पर कार्यक्रम बेनीगंज स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने सबसे पहले स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण किया।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज हैं स्वामी विवेकानंदः डॉ प्रदीप राव

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस
- एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। ह्रराष्ट्रीय युवा दिवस पर ह्र महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ , लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया । स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व , आध्यात्म ,तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया ।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डा.हरी कृष्ण और सी.टी.ओ.डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योतिपुंज हैं स्वामी विवेकानंद- डॉ.प्रदीप राव

गोरखपुर १२ जनवरी। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ ,लांग जंप और रस्सा खींच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म ति के उत्थान का संकल्प सिद्ध । स्वामी विवेकानंद जी आध्यात्म एतप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉय और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया ।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डा.हरी कृष्ण और सी.टी.ओ.डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सीण्टीएओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव, द्वितीय स्थान सागर जायसवाल ,तृतीय स्थान दृहरयश कुमार सहानी रहे । बालिका वर्ग में प्रथम स्थान कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आँचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवं अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम,अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान । रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में । ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में ठ ग्रुप विनर रहा।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद : डॉ. प्रदीप राव

☛ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस
☛ एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ , लांग जंप और रस्सा खींच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया । स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व , आध्यात्म ,तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया । महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारम्भ किया । दौड़ प्रतियोगिता मे बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव , द्वितीय स्थान दृ सागर जायसवाल,तृतीय स्थानदृ हरयश्व कुमार सहानी रहे । बालिका वर्ग में प्रथम स्थान दृ कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवम् अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग मे अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान । रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में । ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में ठ ग्रुप विनर रहा। प्रतियोगिता मे एनसीसी कैडेट अनुभव , सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव , खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया ,रीतू मौर्य, निधि साहनी,शालिनी चौहान,साक्षी प्रजापति,पूजा सिंह,संजना शर्मा,अंशिका सिंह,आंचल पाठक अश्मिता एवम् उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

हिंदुत्व के आध्यात्मिक ज्योति पुंज हैं स्वामी विवेकानंद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर लंबी कूद व रस्सा खींच प्रतियोगिता भी हुई

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेटों की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर लंबी कूद और रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कैडेटों को संबोधित करते हुए कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। वह हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है।

सेंट एंड्रयूज कालेज में युवा दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली कालेज से परिसर से निकलकर टाउनहाल, गणेश चौक, आंबेडकर चौक होते हुए फिर परिसर में ही आकर समाप्त हुई। रैली को प्राचार्य ने हरी झंडी दिखा रवाना किया। इस दौरान डा. सुचिता इलायस, डा. सुषमा श्रीवास्तव, डा. रश्मि, संगीता मिश्रा, डा. मोनी जेवियर, डा. आराधना सेरीन दत्त आदि ने अपने विचार रखे। प्रो. सीपी गुप्ता, प्रो. सुशील कुमार राय, प्रो. जेके पांडेय, डा. विकास सरकार आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव व एनसीसी कैडेट • विश्वविद्यालय प्रशासन

भारत को विकसित बनाने में योगदान दें युवा : सहजानंद राय

गोरखपुर : स्वामी विवेकानंद की जयंती पर भाजयुमो की महानगर इकाई ने भाजपा के बेतियाहाता कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन से युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने अपील की कि युवा भारत को विकसित बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सत्यार्थ मिश्रा ने की। इस दौरान अखिलेश धर दुबे, उमेश अग्रहरी, आनंद मिश्र, राजेश पांडेय, हर्ष श्रीवास्तव, रजत गुप्ता, कर्मवीर सिंह, शशांक द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

आयु से नहीं विचारों से युवा होता है व्यक्ति : महापौर

गोरखपुर : महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिशु मंदिर की सोच ये नहीं है की मशीनी मानव पैदा करें बल्कि इनका उद्देश्य यह भी है की विवेकानंद जैसे वीरों को तैयार करें। वह शुक्रवार को सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में स्वामी विवेकानंद जयंती पर पक्कीबाग संकुल के 'पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य विशाल त्रिपाठी ने कहा कि आज जिस स्थान पर मैं हूं और मेरे भीतर जो शिक्षा व संस्कार है। प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा सरस्वती शिशु मंदिर ही ऐसा विद्या का मंदिर है, जो शिक्षा के साथ संस्कार भी प्रदान करता है।

विश्व में भारतीय संस्कृति के संवाहक थे स्वामी विवेकानंद

गोरखपुर : जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट अजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद विश्व में भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। स्वामी जी ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वह शुक्रवार को भारत स्काउट और गाइड्स उप्र के तत्वावधान में अयोध्या दास स्काउट कुटीर में विवेकानंद की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

चित्रगुप्त मंदिर में मनी स्वामी विवेकानंद की जयंती : गोरखपुर : स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती पर चित्रगुप्त मंदिर सभा बख्शीपुर के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर याद किया। मंदिर सभा के अध्यक्ष आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। राष्ट्रभक्ति का अलख जगाने वाले स्वामी विवेकानंद हमारे आदर्श हैं और युगों-युगों तक याद रहेंगे। इस अवसर पर मंदिर सभा के मंत्री शुभेन्दु सिंह श्रीवास्तव, विवेक कुमार अस्थाना, अमन श्रीवास्तव गुड्डू श्रीवास्तव, विनोद श्रीवा... पिंटू, शानू श्रीवास्तव, ... श्रीवास्तव गुड्डू, शिव... मौजूद रहे।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद-डॉ. प्रदीप राव

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस
- एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

संवाददाता

गोरखपुर। "राष्ट्रीय युवा दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़, लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव, द्वितीय स्थान इ सागर जायसवाल, तृतीय स्थानइहरवश्य कुमार सहनी रहे। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान इ कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवम् अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान। रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में अ ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में इ ग्रुप विनर रहा। प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट अनुभव, सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव,

खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया, रीतू मौर्य, निधि साहनी, शालिनी चौहान, साक्षी प्रजापति, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अंशिका सिंह, आंचल पाठक अस्मिता एवम् उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

वैध तरीके से अयोध्या की 'जंग' जीतना चाहते थे महंत अवेद्यनाथ

■ अरविन्द कुमार राय

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ

■ तीर-धनुष लिए हजारों नागा साधुओं को देखकर परेशान हो गया था प्रशासन

■ अयोध्या कूच किए नागा साधुओं को गोरक्षपीठाधीश्वर ने मनाकर लौटाया था

महंत अवेद्यनाथ ने नागा साधुओं को समझाया-बुझाया

महंत अवेद्यनाथ से इस नाजुक हालात को लेकर अधिकारियों ने बात की। महंत अवेद्यनाथ ने नागा साधुओं को समझा-बुझाया और शांत कराया। उनके निर्देश पर गोरक्ष पीठ के लोगों ने नागा साधुओं की मंदिर में सेवा की। महंत की सलाह पर नागा साधु अयोध्या के लिए आगे जाने के बजाए लौट गए।

"श्री रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए एक तरफ महंत अवेद्यनाथ संसद में आवाज बुलंद कर रहे थे तो दूसरी तरफ उनकी अगुआई में जनांदोलन चल रहा था। उन्हें न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर भी पूरा भरोसा था। वे अक्सर कहते थे कि सत्य के आधार पर निर्णय होगा, फैसला राममंदिर के पक्ष में ही आएगा। वह हमेशा संवाद के पक्ष में रहे।

डॉ. प्रदीप राव, कुलसचिव, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुर। फिजाओं में रामधुन गूंज रही है। शहर-कस्बे ही नहीं गांव-गली में लहरा रही पताकाएं माहौल को भक्तिमय बना रही हैं। अयोध्या में कल्पनाएं और भावनाएं साकार हो रही हैं। इन कल्पनाओं को साकार करने में तकरीबन 500 साल तक जंग चली।

अयोध्या राममंदिर को लेकर छिड़ी इस जंग को गोरक्षपीठाधीश्वर रहे महंत अवेद्यनाथ वैध तरीके से जीतना चाहते थे। यही वजह है कि 1990 में हजारों की संख्या में तीर-धनुष लेकर अयोध्या की तरफ कूच करने वाले नागा साधुओं को उन्होंने समझाकर रोक लिया था। गोरखनाथ मंदिर ने नागा साधुओं की सेवा कर उन्हें अयोध्या जाने देने के बजाए लौटा दिया था।

अयोध्या में विवादित ढांचे को लेकर 100-200 नहीं बल्कि तकरीबन 500 साल से जंग चल रही थी। राममंदिर निर्माण के लिए एक-दो नहीं कई बार जंग हुई। तमाम लोगों ने कुर्बानियां दीं। अयोध्या की इस जंग को जीतने के लिए 80-90 के दशक में तमाम ऋषियों-मनीषियों, साधु-संतों तथा महंतों-पीठाधीश्वरों ने खुद को आगे किया। तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ एक मजबूत कड़ी रहे। साधु-संतों ने मंदिर आंदोलन की कमान खुद संभाल ली। धरना-प्रदर्शन, आम-अवाम को जगाने के लिए कथाएं-रामलीलाएं जगह-जगह होने लगी। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में सबसे आगे रहने वालों में शामिल थे।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ अयोध्या की इस जंग को हर हाल में जीतना चाहते थे इसके लिए उन्होंने पूरे देश को जगाया। साधु-संतों को एक मंच पर लाने के लिए हिंदू संग का आयोजन कराया। जन-जन में राममंदिर के लिए उत्साह भरा। पर वह हमेशा इस जंग को वैध तरीके से जीतने के पक्षधर रहे। कई बार ऐसे हालात पैदा हुए जब टकराहट होने की आशंका पैदा हुई तो महंत ने आगे बढ़कर उत्साही साधु-संतों और नागरिकों को शांत कराया। वर्ष 1990 में जब महंत अवेद्यनाथ मंदिर आंदोलन में गिरफ्तार किए गए तो बड़ी संख्या में नागा साधुओं ने तीर-धनुष लेकर अयोध्या के लिए कूच कर दिया।

पराक्रम दिवस पर बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, २३ जनवरी। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल ...पेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का ...या। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं ... करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत ... की सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो.सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफनर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तवए डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

❖ यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य-कुलपति

पंचकर्म घाट पर किया श्रमदान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित यूपी 102 एनसीसी बटालियन गोरखपुर के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफाई के साथ स्वच्छता पखवारा शुरु किया। पंचकर्म चिकित्सा के पास घाट परिक्षेत्र की सफाई और कूड़ा निस्तारण कर कैडेट्स नें श्रमदान किया।

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर मंदिरों, तीर्थ स्थलों व संस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में एनसीसी कैडेट्स के सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और डॉ. कुलदीप सिंह ने झाड़ू लगाकर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। संवाद

समाचार दर्पण

पराक्रम दिवस : बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

गोरखपुर (एसएनबी)। पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन

निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुंक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दुबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा ने शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. शशिकांत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मानव श्रृंखला बनाते राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्य।

प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणा श्रोत हैं। के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डा. वाजपेयी व कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव सिंह, डा. विमल दुबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठाता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि मौजूद रहे।

विशेषज्ञता का करें आदान-प्रदान विकास में दें योगदान : योगी

जासं, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में गोरखपुर के चारों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने कुलपतियों का आह्वान किया कि वह विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करें। पूर्वी उत्तर प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास में योगदान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मानविकी के क्षेत्र में, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तकनीकी के क्षेत्र में, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यता के क्षेत्र में और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय आयुष के क्षेत्र में विशिष्ट विशेषज्ञता वाला है। ऐसे में ये सभी विश्वविद्यालय आपस में अपनी विशेषज्ञता का आदान-प्रदान कर पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। उन्होंने कुलपतियों से यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जब विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करके निकले तो उसके पास सिर्फ कागजी डिग्री न रहे, वह कौशल के किसी एक क्षेत्र में भी दक्ष रहे। इससे उसे रोजगार पाने या खुद का रोजगार शुरू करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को साथ लेकर चलना पड़ेगा। नवाचार व पेटेंट पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय में जो भी प्रोजेक्ट संचालित हों, उनकी समाज के लिए उपयोगिता सुनिश्चित होनी चाहिए। हर प्रोजेक्ट को नवाचार और पेटेंट से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी से जोड़कर कृषि को रोजगारपरक और समाज के लिए अति उपयोगी बनाया जा सकता है। अन्नदाता किसानों की आय कई गुणा बढ़ाई जा सकती है। बैठक में गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, एमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय परिसर में आधारिक संरचना के विकास के दिए टिप्स : मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में आधारिक संरचना के विकास को लेकर भी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कारपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी फंड से अत्याधुनिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय व स्टेडियम को अपने परिसर का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के वातावरण में आध्यात्मिकता का पुट होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से कहा कि वह सप्ताह में एक दिन ऐसा कोई कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें, जिसमें सभी शिक्षक व विद्यार्थी स्वच्छता के अभियान से जुड़ें। ऐसा माहौल विकसित होना चाहिए कि हर विद्यार्थी के मन में अपने विश्वविद्यालय के प्रति आत्मीयता व गौरव का भाव रहे।

विशेषज्ञता का आदान-प्रदान कर विकास में योगदान दें चारों विश्वविद्यालय

जनपद के चारों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की महत्वपूर्ण बैठक

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर के चारों विश्वविद्यालय आपस में अपनी विशेषज्ञता का आदान-प्रदान कर पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

सीएम ने कहा कि विश्वविद्यालयों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जब एक विद्यार्थी वहां से अपनी पढ़ाई पूरी करके निकले तो उसके पास सिर्फ कागजी डिग्री न रहे। बल्कि उसे स्किल के किसी एक क्षेत्र में ऐसा दक्ष भी बनाया जाए, जिससे वह रोजगार प्राप्त कर सके या खुद का रोजगार शुरू कर सके। एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट साथ-साथ चलना चाहिए।

सीएम ने कहा, साथ-साथ चलना चाहिए एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय तथा महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर के चारों विश्वविद्यालयों की अपनी विशिष्ट विशेषज्ञता का क्षेत्र है। गोरखपुर विश्वविद्यालय मानविकी के क्षेत्र में, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तकनीकी

के क्षेत्र में, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यता के क्षेत्र में और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय आयुष के क्षेत्र में विशिष्ट विशेषज्ञता वाला है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जो भी प्रोजेक्ट चलें उसे अध्ययन के साथ ही इनोवेशन (नवाचार) और पेटेंट के साथ भी जोड़ा जाना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी से जोड़कर कृषि को रोजगारपरक और समाज के लिए अति उपयोगी बनाया जा सकता है।

वैज्ञानिक व व्यावसायिक तरीके से हर्बल मेडिसिन प्लांट का उत्पादन शुरू कर अन्नदाता किसानों की आय कई गुना बढ़ाई जा सकती है। और इन सभी कार्यों में चारों विश्वविद्यालय को आगे बढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

सोशल इंपैक्ट स्टडी के साथ खुद को जोड़ें विश्वविद्यालय : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय सोशल इंपैक्ट स्टडी (सामाजिक प्रभाव अध्ययन) के साथ खुद को जोड़ने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। खाद कारखाना, एम्स के निर्माण तथा गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में हो रहे तीव्र औद्योगीकरण के चलते पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी असीम संभावनाएं भी हैं। सोशल इंपैक्ट स्टडी से विश्वविद्यालयों और इससे जुड़े विद्यार्थियों को आर्थिक मजबूती भी मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री इंटर्नशिप योजना के साथ प्रोजेक्ट वर्क से जोड़ने का भी आह्वान किया।

बैठक में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह मौजूद रहे।

सीएम ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की दी टिप्स

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के परिसर व इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को लेकर भी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड से अत्याधुनिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय व स्टेडियम को अपने परिसर का हिस्सा बनाएं। विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करें। प्रोजेक्ट और शोध को रोजगारपरक बनाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर का वातावरण आध्यात्मिकता के पुट में होना चाहिए। परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए और इसे प्लास्टिक मुक्त बनाया जाए। सप्ताह में एक दिन ऐसा कोई कार्यक्रम अवश्य हो जिसमें सभी शिक्षक व विद्यार्थी स्वच्छता के अभियान से जुड़ें।

पराक्रम दिवस पर बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

- **सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विवि में हुआ आयोजन**

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरुक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, [illegible] रोहित श्रीवास्तव, डॉ. श[illegible] सिंह, डॉ विमल दुबे स[illegible] प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्ष[illegible] समन्वयक आदि उप[illegible]

निमार्णाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन फॉर्मेसी संकाय (दृश्य–1)

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय (दृश्य–2)

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 व्याख्यान देते हुए श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज

02 युनियन बैंक द्वारा आयोजित सेमिनार

03 व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण में श्री शिवानन्द त्रिपाठी

04 डॉ. जेनी द्वारा उद्बोधन

05 मानव श्रृंखला में विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण

06 रामोत्सव के दौरान अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन

07 राष्ट्रीय युवा दिवस आयोजन

08 कार्यपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति व अन्य

09 गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण एवं परेड (आयुर्वेद कॉलेज)

10 गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण एवं परेड (नर्सिंग कॉलेज)

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
प्रभा शर्मा

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur